केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 209 शुक्रवार 20 फरवरी 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

नाबालिग से दुष्कर्म, आरोपी को 20 साल का कठोर कारावास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनपद में नाबालिग से दुष्कर्म के एक मामले में न्यायालय ने अभियुक्त को 20 वर्ष के कठोर कारावास और 31 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। यह फैसला ऑपरेशन कन्विक्शनष अभियान के तहत पैरवी सेल बस्ती और थाना सोनहा पुलिस की प्रभावी पैरवी के बाद आया है। जानकारी के अनुसार, 3 अप्रैल 2024 को वादी ने थाना सोनहा में तहरीर दी थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि उसकी नाबालिग बेटी को बहला–फुसलाकर भगाया गया और उसके साथ दुष्कर्म किया गया। इस तहरीर के आधार पर थाना सोनहा में अभियुक्त सुनील उर्फ रामसुधार निवासी खेमपट्टी वजदहिया, थाना बसखारी, जिला अम्बेडकरनगर) के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। विवेचना के दौरान पुलिस ने साक्ष्य एकत्र किए और न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया। पुलिस अधीक्षक बस्ती के निर्देश पर पैरवी सेल और थाना सोनहा पुलिस ने न्यायालय में मामले की प्रभावी पैरवी की। मामले की सुनवाई के बाद 1 एएसजेधविशेष पॉक्सो कोर्ट, बस्ती ने अभियुक्त को दोषी करार दिया। कोर्ट ने उसे 20 वर्ष के कठोर कारावास और 31,000 रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई।

गौशाला में व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले के कप्तानगंज ब्लॉक की ग्राम पंचायत पोखरा स्थित गौशाला में एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान लगभग 50 वर्षीय नवाब निषाद के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। जानकारी के अनुसार, ग्राम प्रधान द्वारा गौशाला में सफाई के लिए भेजे गए एक सफाईकर्मी ने नवाब निषाद को अचेत अवस्था में पड़ा देखा। पास जाने पर पता चला कि उनकी मृत्यु हो चुकी थी। सफाईकर्मी ने तत्काल इसकी सूचना ग्राम प्रधान और पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना अध्यक्ष नगर भानु प्रताप सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया और पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रधान प्रतिनिधि बुधेस सिंह ने बताया कि नवाब निषाद प्रतिदिन लगभग दो घंटे गौशाला में बिताते थे। घटना की जानकारी तुरंत प्रशासन को दी गई। वहीं, खंड विकास अधिकारी कप्तानगंज ने बताया कि गौशाला में एक महिला केयरटेकर भी तैनात है और पूरे मामले की जानकारी जुटाई जा रही है। मृत्यु के कारणों को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। नवाब निषाद अपने परिवार के इकलौते कमाने वाले सदस्य थे। उनके परिवार में पत्नी दुर्गावती और पांच बच्चे हैं। घटना के बाद से परिवार में मातम पसरा हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

सड़क हादसे मे युवक घायल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कोतवाली थाना क्षेत्र में गुरुवार दोपहर बड़ेबन ओवरब्रिज पर एक अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। इस हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया। घायल युवक की पहचान विवेक पांडेय (पुत्र संतोष पांडेय) के रूप में हुई है, जो जनपद बस्ती के पैकवलिया थाना क्षेत्र के ग्राम जोकन्हा के निवासी हैं। विवेक गुरुवार को दोपहर करीब 3रू30 बजे अपनी मोटरसाइकिल (न्च 51 ।ठ 9579) से बड़ेबन से टोल प्लाजा पटेल चौक की ओर जा रहे थे, तभी ओवरब्रिज पर अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद विवेक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

फ्री खाना मिलेगा तो लोग काम क्यों करेंगे–सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (आभा)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को फ्रीबीज कल्चर (मुफ्त की रेवड़ियां) पर कहा कि अगर सरकार लोगों को सुबह से शाम तक फ्री खाना, गैस और बिजली देती रहेगी तो लोग काम क्यों करेंगे। ऐसे तो काम करने की आदत खत्म हो जाएगी। सरकार को रोजगार देने पर फोकस करना चाहिए।

कोर्ट ने कहा कि गरीबों की मदद करना समझ में आता है, लेकिन बिना फर्क किए सबको मुफ्त सुविधा देना सही नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड की याचिका पर सुनवाई करते हुए की। इसमें कंज्यूमर्स की फाइनेंशियल हालत की परवाह किए बिना सभी को फ्री बिजली देने का प्रस्ताव था।

CJI सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि देश के ज्यादातर राज्य राजस्व घाटे में हैं और फिर भी वे विकास को नजरअंदाज करते हुए मुफ्त की घोषणाएं कर रहे हैं। आपको लोगों के लिए रोजगार के रास्ते बनाने चाहिए, ताकि वे कमा सकें और अपनी इज्जत और आत्म सम्मान बनाए रख सकें। जब उन्हें एक ही जगह से सबकुछ मुफ्त मिल जाएगा तो लोग काम क्यों करेंगे। क्या हम ऐसा ही देश बनाना चाहते हैं?

अचानक चुनाव के आस–पास स्कीम क्यों अनाउंस की जाती हैं? अब समय आ गया है कि सभी पॉलिटिकल पार्टियां, नेता फिर से सोचें। अगर हम इस तरह से उदारता दिखाते रहे तो हम देश के डेवलपमेंट में रुकावट डालेंगे। एक बैलेंस होना चाहिए। ऐसा कब तक चलेगा? हम भारत में कैसी संस्कृति विकसित कर रहे हैं? यह समझ में आता है कि कल्याणकारी योजना के तहत आप उन लोगों को राहत दें, जो बिजली का बिल नहीं चुका सकते। जो लोग भुगतान करने में सक्षम हैं और जो नहीं हैं, उनके बीच कोई फर्क किए बिना मुफ्त सुविधा देना क्या तुष्टीकरण की नीति नहीं है?

सुप्रीम कोर्ट तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉरपोरेशन की याचिका पर सुनवाई कर रहा था। कंपनी ने 2024 के विद्युत संशोधन नियमों के नियम 23 को चुनौती दी है। इसमें उपभोक्ताओं की आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना सभी को मुफ्त बिजली देने का प्रस्ताव है।राज्य सरकार घरेलू उपभोक्ताओं को हर दो–महीने में लगभग 100 यूनिट तक मुफ्त बिजली देती है, बिना किसी शर्त के यानी उपभोक्ता चाहे कितना भी खर्च करे, पहली 100 यूनिट के लिए बिल नहीं देना होता।

महिला कांस्टेबल से गाली–गलौज मामले में कोतवाल हटाये गये:त्रिनेत्र शेल को जिम्मेदारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सदर कोतवाली इंस्पेक्टर दिनेश चंद्र चौधरी को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है। पुलिस अधीक्षक यशवीर सिंह ने यह प्रशासनिक कार्रवाई की है। उन्हें पुलिस लाइन संबद्ध करते हुए प्रभारी त्रिनेत्र शेल की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

यह कार्रवाई एक महिला कांस्टेबल द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद हुई है। महिला कांस्टेबल ने इंस्पेक्टर पर अवकाश को लेकर गाली–गलौज, दुर्व्यवहार और धमकी देने का आरोप लगाया था।

पीड़िता अपने छोटे बच्चे के साथ डीआईजी कार्यालय पहुंची थी। उसने निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए दावा किया था कि पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद है। प्रकरण सामने आने के बाद पुलिस महकमे में हलचल मच गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी यशवीर सिंह ने त्वरित कार्रवाई की।

यूजीसी के नये नियमों को वापस लिये जाने की मांग को लेकर मेधा पार्टी का धरना जारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। यूजीसी के नये नियमों को वापस लिये जाने की मांग को लेकर मेधा पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष रूद्र आदर्श पाण्डेय के नेतृत्व में गांधी कला भवन के स्थित बापू प्रतिमा के निकट अनिश्चितकालीन धरना पिछले 9 दिनों से जारी है। मेधा के राष्ट्रीय प्रवक्ता दीन दयाल त्रिपाठी ने कहा कि जब तक यूजीसी का भेदभाव पैदा करने वाला कानून वापस नहीं लिया जाता मेधा का चरणबद्ध आन्दोलन जारी रहेगा। चुनावी लाभ के लिये छात्रों को जाति, वर्ग में बांट देने का षड़यंत्र स्वीकार नहीं किया जायेगा।

अनिश्चित कालीन धरने पर बैठे मेधा पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष रूद्र आदर्श पाण्डेय ने कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा उच्च शिक्षा परिसरों में समानता को बढ़ावा देने संबंधी नए नियमों के विरोध में अनिश्चित कालीन धरना बापू प्रतिमा के समक्ष लगातार 9 दिनों से जारी है। यूजीसी का यह निर्णय छात्रों को जातियों में बांटने वाला है जो खतरनाक है। सरकार इसे वापस ले। उन्होने धरने को समर्थन देने वाले सामाजिक, राजनीतिक कार्यकर्ताओं, संगठनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुये कहा कि लगातार मिल रहे जन समर्थन से उनका हौसला बढा है।

बापू प्रतिमा के निकट अनिश्चितकालीन धरना के 9 वे दिन मुख्य रूप से अभयदेव शुक्ल, रवि शुक्ला, वैभव शुक्ला, सन्तोष प्रधान, वृजेश द्विवेदी, रामरीका पाण्डेय, चन्द्रेश प्रताप सिह, राम प्रताप सिंह, हरिगोविन्द द्विवेदी, सुभाष मिश्र, सुयश प्रताप सिंह, महेन्द्र प्रताप पाण्डेय, कृपाशंकर सिंह, शिवेन्द्र मिश्र, शुभम यादव, प्रमोद पाण्डेय, अंशू चौरसिया, सुभाष मिश्र, संजयमणि त्रिपाठी, शिवकुमार चौरसिया, रामजी पाण्डेय, प्रतीक मिश्र आदि शामिल रहे।

मृत दरोगा की बाइक चोरी करने वाला गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। छावनी पुलिस, एसओजी और स्वाट, सर्विलांस टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने सरयू नदी पुल से मृत उपनिरीक्षक अजय गोंड की बाइक चोरी की थी। उसके कब्जे से चार मोटरसाइकिलें और 1010 रुपये बरामद किए गए हैं।

थानाध्यक्ष चंदन कुमार के नेतृत्व में टीम रामजानकी तिराहे पर गश्त कर रही थी। मुखबिर की सूचना पर अमोढ़ा क्षेत्र में रहमतुल्ला के बंद मुर्गी फार्म के पास से विशाल सोनी (25) निवासी पाकड़डाड, थाना लालगंज को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक स्प्लेंडर प्लस (UP51BH 2048) बरामद हुई।

पूछताछ में आरोपी विशाल सोनी ने सरयू नदी पुल, अयोध्या से परसरामपुर में तैनात दिवंगत उपनिरीक्षक अजय कुमार गौड़ की पल्सर बाइक चोरी करने की बात स्वीकार की। उसने बताया कि पुल पर खड़ी पल्सर में चाबी लगी हुई थी, जिसका फायदा उठाकर वह बाइक लेकर बस्ती पहुंचा।

अमहट घाट के पास संदिग्ध गतिविधि देखकर उसने वाहन छोड़ दिया और फरार हो गया। बाइक की डिग्गी से मिले दो मोबाइल फोन उसने गोरखपुर में बेच दिए थे। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर लालगंज क्षेत्र के गौरीगांव के पास कैथोरा की बगिया से दो और चोरी की बाइक बरामद कीं। आरोपी विशाल सोनी पर विभिन्न थानों में वाहन चोरी, धोखाधड़ी और गैंगस्टर एक्ट सहित कुल 11 मुकदमे दर्ज हैं।

बर्खास्त सिपाही ने वर्दी पहनकर किया ठगी: नौकरी का झांसा देकर सौंपा फर्जी नियुक्ति पत्र, वसूले 1.84 लाख

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। एक बर्खास्त पुलिस सिपाही को नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ने राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन (NSSO) में संविदा क्षेत्र प्रवेक्षक के पद पर नौकरी का झांसा देकर दो युवकों से 1.84 लाख रुपये ठगे थे। लालगंज पुलिस ने उसे फर्जी नियुक्ति पत्र के साथ पकड़ा।

पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान अजय कुमार जायसवाल पुत्र स्व. अशर्फीलाल जायसवाल, निवासी बलीपुर गायत्रीनगर, थाना कोतवाली नगर, जनपद प्रतापगढ़ के रूप में हुई है। उसे वर्ष 2024 में पुलिस विभाग से बर्खास्त कर दिया गया था। इसके बावजूद, वह पुलिस की वर्दी पहनकर खुद को NSSO में एक प्रभावशाली व्यक्ति बताता था।

पीड़ित अश्वनी दूबे (संतकबीरनगर निवासी) और उनके मित्र विनोद कुमार (देवरिया निवासी) ने पुलिस को बताया कि उनकी मुलाकात आरोपी से 27 जनवरी 2026 को लखनऊ की टेढ़ी पुलिया पर हुई थी। आरोपी ने उनसे ऑनलाइन और नकद मिलाकर कुल 1,84,000 रुपये लिए और 6 फरवरी को उन्हें फर्जी नियुक्ति पत्र सौंप दिए। संदेह होने पर जब पीड़ितों ने गोरखपुर स्थित छैट कार्यालय में इन पत्रों की जांच कराई, तो वे जाली पाए गए।

19 फरवरी को आरोपी निपनिया भट्ठे के पास दोबारा कुछ और नियुक्ति पत्र देने और अतिरिक्त पैसे लेने पहुंचा। इस दौरान भी वह पुलिस की वर्दी में था, लेकिन उसकी नेम प्लेट पर श्राहुल कुमारश लिखा था। पीड़ितों ने सतर्कता दिखाते हुए उसे मौके पर ही पकड़ लिया और पुलिस को सौंप दिया।

क्षेत्राधिकारी कुलदीप यादव ने बताया कि आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। प्रारंभिक जांच में फर्जी दस्तावेज तैयार कर धोखाधड़ी करने की पुष्टि हुई है। उन्होंने युवाओं से अपील की है कि किसी भी नौकरी के नाम पर पैसे देने से पहले संबंधित विभाग से उसकी सत्यता की पुष्टि अवश्य कर लें।

23 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों में होगा एसआईआर

नई दिल्ली (आभा)।भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने संकेत दिया है कि कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश सहित शेष 23 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों का विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) अप्रैल से शुरू होने की उम्मीद है। चुनाव आयोग के सचिव पवन दीवान ने मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) को सूचित किया कि उन्हें विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए तैयारी का काम जल्द से जल्द पूरा कर लेना चाहिए।

चुनाव आयोग ने गुरुवार को देशभर में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन एसआईआर की घोषणा कर दी है। चुनाव आयोग के सचिव पवन दीवान ने 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को लेटर लिखकर एसआईआर से जुड़ी तैयारी का काम जल्द से जल्द पूरा करने के लिए कहा है।

चुनाव आयोग ने लेटर में बताया कि दिल्ली, कर्नाटक सहित शेष 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में प्रक्रिया अप्रैल से शुरू होने की उम्मीद है। लेटर में आगे कहा गया है कि चुनाव आयोग ने पिछले साल 24 जून को आदेश दिया था कि पूरे देश में एसआईआर किया जाएगा। चुनाव आयोग ने पहले फेज में बिहार में एसआईआर करवाया था।

घर के सामने क्रिकेट खेलने से रोका तो मारा पीटा: दोषियों के गिरफ्तारी की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के कबरा डिहवा गांव में घर के सामने क्रिकेट खेलने से रोकने पर विवाद, मारपीट का मामला सामने आया है। इस सम्बन्ध में मुण्डेरवा पुलिस मुकदमा पंजीकृत कर मामले की जांच कर रही है। मारपीट के दौरान 5 घायलों में से दो का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है।

मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के कबरा डिहवा निवासिनी लालमति पत्नी रामसकल ने तहरीर में कहा है कि गत 18 फरवरी की सुबह उनके गाँव में नितेश पुत्र अशोक व गाँव के कुछ लड़के उनके घर के सामने क्रिकेट खेल रहे थे और उनका गेंद बार–बार घर में आ रहा था। उनके पति राम सकल नितेश से बोले की कही और जाकर खेल लो तो नितेश ने कहा की मैं यही खेलूँगा और मना किया तो माँ बहन की भद्दी–भद्दी गालियाँ देते हुए, उनके पति को गला पकड़कर मारने–पीटने लगा। उसके बाद जब लोग जब झगडा शांत कराकर नितेश पुत्र अशोक को उसके घर भेजे तो नितेश कुछ देर बाद अपने घर वालो डॉक्टर पुत्र राम जतन व आकाश पुत्र व सरोज व अमन ध्व मनोज को लेकर मेरे घर में घुस कर मेरे बेटे अशोक कुमार व राम सकल, बेटी माया पति राम सकल, उसे और अतुल पुत्र आशुतोष को हांकी व लाठी–डंडे से बेरहमी से मारा पीटा। उनके बेटे व बेटी का सर फूट गया और धमकी दिए की तुम लोगो को जान से मार देंगे हमारा कोई कुछ नहीं बिगाड़ पायेगा। लालमति ने पूरे मामले की जांच कराकर दोषियों को गिरफ्तार किये जाने की मांग किया है।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में 120 का उपचार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरूवार को प्रेस क्लब सभागार में क्लब अध्यक्ष विनोद कुमार उपाध्याय और पदाधिकारियों के संयोजन में पत्रकारों के लिये नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 120 लोगों को उपचार, शुगर, वी.पी., हीमोग्लोबिन की जांच के साथ ही नि:शुल्क एलोपैथ और होम्योपैथ की दवायें उपलब्ध करायी गयी। क्लब अध्यक्ष विनोद कुमार उपाध्याय और महामंत्री महेन्द्र तिवारी ने बताया कि पत्रकारों उनके परिजनों के बेहतर स्वास्थ्य के लिये समय–समय पर शिविर कराये जाते हैं।

चिकित्सा शिविर में पटेल एस.एम.एच. हास्पिटल के प्रबंधक एवं जिला चिकित्सालय के आयुष चिकित्साधिकारी डा. वी.के. वर्मा, डा. राजेश चौधरी, डा. एस.के. त्रिपाठी, डा. अतुल श्रीवास्तव, डा. कमल वर्मा, डा. एच.आर.वर्मा, डा. नरेन्द्र चौधरी, डा. राजेश पटेल के साथ ही स्वास्थ्य कर्मी जिला अस्पताल की अंजू सिंह, कीर्ति आनन्द, इमरान, संजय, अभिषेक के साथ ही पटेल एस.एम.एच. हास्पिटल गोटवा के मनीष चौधरी, विकास चौधरी, मनीष राना, आदर्श गुप्ता, शंकर यादव, जग प्रसाद, चित्रसेन पाण्डेय आदि ने योगदान दिया।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर को सम्पन्न कराने में प्रकाश चन्द्र गुप्ता, वशिष्ठ पाण्डेय, राघवेन्द्र प्रसाद मिश्र, राजेश पाण्डेय, विपिन बिहारी त्रिपाठी, संजय विश्वकर्मा, सर्वेश श्रीवास्तव, राजेन्द्र उपाध्याय पदाधिकारियों के साथ ही जयन्त मिश्र, पुनीत ओझा, अमर सोनी, अनिल पाण्डेय,ऋतिक कुमार, आनन्द गौतम, राकेश त्रिपाठी आदि ने योगदान दिया।

मकान मालिक को किरायेदारों से खतरा एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कोतवाली थाना क्षेत्र के पिकौरा दत्तू राय निवासी मकान संख्या 143 के स्वामी विख्यात रंजन उर्फ अभिमन्यु, पुत्र स्वर्गीय राम प्रसाद श्रीवास्तव ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि उनके मकान में रह रहे किरायेदार रत्नेश शुक्ला, अनुराग शुक्ला तथा संजय सिंह उनकी असहाय स्थिति का लाभ उठाकर मकान पर अवैध कब्जा करना चाहते हैं।

विख्यात रंजन उर्फ अभिमन्यु ने एसपी को दिये पत्र में कहा है कि वे माता–पिता के निधन के बाद अकेले रहते हैं और लगातार मिल रही धमकियों के कारण अपने ही घर में रहने से वंचित हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व में थाना कोतवाली में शिकायत करने पर दोनों पक्षों को बुलाया गया था, जहाँ किरायेदारों ने मकान खाली करने के लिए कोतवाली में लिखित रूप में 2 से 3 माह का समय माँगा था, किन्तु 3 माह से अधिक समय होने के बाद भी मकान खाली नहीं कर रहे हैं। पीड़ित का कहना है कि 1 नवम्बर 2025 को थाना कोतवाली में एफआईआर भी दर्ज कराई गई, परंतु अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई और न ही उन्हें सुरक्षा उपलब्ध कराई गई है।

विख्यात रंजन उर्फ अभिमन्यु ने बताया वे घर मे पूरी तरह अकेले है और अपने ही घर में रहने से डर रहे है। किरायेदार मुझे लगातार जान से मारने की धमकी दे रहे हैं और मकान पर कब्जा करना चाहते हैं। उन्होने कई बार पुलिस से शिकायत की, एफआईआर भी दर्ज है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। अगर उनके साथ कोई अप्रिय घटना होती है तो उसकी जिम्मेदारी संबंधित लोगों की होगी।

पीड़ित ने प्रशासन से तत्काल कठोर वैधानिक एवं दंडात्मक कार्रवाई करते हुए मकान खाली कराने और व्यक्तिगत सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है।

''मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता''—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 20 फरवरी 2026 शुक्रवार

सम्पादकीय

फसल बीमा योजना और किसान

एक दशक पूर्व प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना यानी पीएमएफबीवाई इस मकसद से शुरू की गई थी कि देश के अन्नदाता के हित तमाम ऊंच—नीच में सुरक्षित रह सकें। सदियों से प्राकृतिक आपदाओं का त्रास पीढ़ी—दर—पीढ़ी भुगतते किसानों को सुरक्षा कवच प्रदान करने का प्रयास मोदी सरकार ने किया था। मकसद था किसान हितों को प्राथमिकता दी जाए। लेकिन जिस पीएमएफबीवाई के आज दस साल पूरे हो रहे हैं, वह आज एक चुनौतिपूर्ण मोड़ पर खड़ी है। जिसके वास्तविक लाभों पर मंथन करने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। दरअसल, मोदी सरकार ने वर्ष 2016 में खेती—किसानी में एक बड़े जोखिम को कम से कम करने का प्रयास किया था। फसल बीमा से किसानों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। दरअसल, इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य किसानों को जलवायु और बाजारों की बढ़ती अस्थिरता से बचाना था। लेकिन विडंबना यही है कि इस योजना के अपेक्षित लाभ किसानों को नहीं मिल पाये। बल्कि यह योजना बीमा कंपनियों के लिये दुधारू गाय बनकर रह गई। यहां तक कि भाजपा शासित राज्यों हरियाणा और राजस्थान से मिली प्राथमिक जानकारी से पता चला है कि इस योजना का लाभ किसान के बजाय बीमा कंपनियां जमकर उठा रही हैं। वर्ष 2023 से 2025 के बीच, हरियाणा में बीमा कंपनियों ने पीएमएफबीवाई के तहत 2,827 करोड़ रुपये का सकल प्रीमियम एकत्र किया था। लेकिन जहां तक फसलों को हुई क्षति के लिये दावों के भुगतान का प्रश्न है, केवल 731 करोड़ रुपये का ही भुगतान किया गया है। यानी बीमा कंपनियों को सीधे—सीधे 2,000 करोड़ से अधिक का लाभ हुआ है। इतना ही नहीं, शेष देश के आंकड़े भी कम चौंकाने वाले नहीं हैं। केवल तीन वर्षों में ही 82,015 करोड़ रुपये बीमा कंपनियों द्वारा प्रीमियम के रूप में एकत्रित किए गए। जबकि किसानों को क्षतिपूर्ति के लिये मात्र 34,799 करोड़ रुपये ही वितरित किए गए। बीमा कंपनियों को 47,000 करोड़ रुपये से अधिक का लाभ हुआ।

यह विडंबना ही है कि जिस महत्वाकांक्षी फसल बीमा योजना को किसानों को सुरक्षा कवच प्रदान करने के लिये लाया गया था, वो बीमा कंपनियों की मुनाफाखोरी का जरिया बन गई है। निश्चय ही देश की खाद्य सुरक्षा व किसान हित में योजना को बीमा कंपनियों के मुनाफे का जरिया बनने से रोकने की जरूरत है। बल्कि फसल बीमा योजना के क्षेत्र में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित की जानी चाहिए ताकि किसान को अधिक लाभ मिल सके। हरियाणा के कुछ हिस्सों में किसानों के दावों में की जाने वाली देरी अथवा किसानों के दावे खारिज किए जाने के खिलाफ धरना देने की बात भी सामने आई है। वहीं दूसरी ओर राजस्थान में फसल बीमा योजना में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। अनुचित लाभ उठाने के लिये जाली फॉर्म और फर्जी बैंक खातों का उपयोग किया गया है। निस्संदेह, यदि बीमा कंपनियां सिर्फ मुनाफा कमाती रहीं और किसान को योजना का लाभ पर्याप्त रूप से न मिला, तो निश्चित रूप से किसानों का इस योजना से भरोसा उठ जाएगा। ऐसे में यदि किसान अनियमित मौसम की मार, बढ़ते कर्ज के बोझ और नौकरशाही की बाधाओं से जूझते रहे तो वे योजना का लाभ पाने से वंचित हो जाएंगे। निस्संदेह, पीएमएफबीवाई किसानों के हितों को संरक्षित करने की एक महत्वाकांक्षी योजना है। जिसमें पारदर्शिता बढ़ाने के लिये सैटेलाइट इमेजरी, ड्रोन और तकनीक आधारित उपज अनुमान प्रणाली को एकीकृत करने का प्रयास किया गया था। इतना ही नहीं, पीएमएफबीवाई के अंतर्गत किफायती प्रीमियम केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा भारी सब्सिडी के साथ दिया जाता है। निर्विवाद रूप से प्रीमियम का बड़ा हिस्सा जनता के पैसे से भरा जाता है। जब प्रीमियम व दावा अनुपात विरोधाभासी हो तो करदाताओं के पास जवाबदेही मांगने का पूरा अधिकार है। निस्संदेह ऐसे वक्त में जब पीएमएफबीवाई ग्यारहवें वर्ष में प्रवेश कर रही है, सुधारों से इसका भविष्य तय होना चाहिए। पारदर्शी ऑडिट, दावों का तेजी से निपटान, बीमा कंपनियों की कारगुजारी पर कड़ी निगरानी की जरूरत व इस प्रक्रिया में किसानों का अधिक प्रतिनिधित्व आवश्यक है। तभी यह योजना किसानों के लिये सुरक्षा कवच बनेगी और किसानों का भरोसा बहाल होगा।

एआई में नवाचार के साथ मौलिकता की शर्त

—डा. संजय वर्मा—

देश में नवाचार के तंत्र के विकास की दिशा में पहल सार्थक है लेकिन तकनीकी इनोवेशन का मौलिक होना जरूरी है। जबकि एआई की भाषा में नवाचार कुछ तथ्यों और पैटर्न को समझ तय ढांचे में चीजों को पेश कर देना है। आज हम विकसित दुनिया का जो चेहरा देख पा रहे हैं, उसमें विज्ञान और तकनीकी उन्नति की बड़ी भूमिका है। यही वजह है कि जैसे ही किसी नई तकनीक का आविष्कार होता है, दुनिया में उसे समझने और अपनाने की होड़ पैदा हो जाती है। हाल के अरसे में इंटरनेट के बाद जिस तकनीकी आविष्कार की सबसे ज्यादा चर्चा रही है, वह कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) है। सवा तीन साल पहले नई भूमिका में अवतरित हुई इस तकनीक के कमाल इतने लुभावने हैं कि लगभग हर महीने दुनिया के किसी न किसी कोने से इससे जुड़े किसी नए करिश्मे की खबर आ जाती है। यही वजह कि इस तकनीक में दुनिया के अग्रणी देशों के साथ कदमताल करने की मंशा से भारत सरकार ने वैश्विक स्तर का पांच दिवसीय एक आयोजन 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' नाम से किया और 140 देशों को इसमें आमंत्रित किया।

देश में यह पहल निश्चय ही सराहनीय है, लेकिन तकनीकी नवाचार (इनोवेशन) की कुछ अलिखित शर्तें हैं, जिनमें मौलिकता पहली है। मौलिक और रचनात्मक विचारों—आविष्कारों के बल पर कुछ देश और संगठन तकनीकी श्रेष्ठता और वैश्विक मान्यता अर्जित करते हैं और सफलता की नई मीनारें खड़ी करते हैं। अभिप्राय यह कि तकनीकी नवाचार में नकल या कॉपी—पेस्ट जैसी चीजें नहीं चलतीं। इसमें कुछ अलग हटकर कर दिखाना ही सफलता की प्रमुख अनिवार्यता है। इस दृष्टिकोण से 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' में घटित कुछ घटनाओं को देखें, तो लगता है कि एक तकनीक के रूप में एआई की जो बड़ी खामी है, वह इसके परिदृश्य में शामिल हो रहे कुछ लोगों—संगठनों को भी अपनी पकड़ में ले चुकी है और उनका व्यवहार इसी के अनुरूप है।

एआई पर तोहमत यह है कि यह अपनी ओर से कुछ नया नहीं रचती या रचनात्मक नहीं जोड़ती है। कुछ आंकड़ों, तथ्यों और पैटर्न को समझकर एक सुनिश्चित ढांचे में चीजों को पेश कर देना ही इसकी भाषा में नवाचार है, जो असल में नहीं है। चीजों को तेजी से संजोकर नए पैटर्न में कोई सामग्री पेश कर देना तो इसे (एआई टूल्स को) आता है, लेकिन यह औसत इंसानी समझ के दायरे से बाहर नहीं जा पाती। जबकि नवाचार इससे काफी अलहदा होता है। यही वजह कि एआई समिट के तीसरे दिन दिल्ली—एनसीआर के एक निजी विश्वविद्यालय की ओर से महासम्मेलन में दिखाए जा रहे एआई रोबोट और सॉकर ड्रोन को लेकर किए जा रहे दावों की सच्चाई सामने आ गई कि इन्हें चीन और कोरियाई कंपनियों से खरीदा गया है, न कि विश्वविद्यालय के तंत्र और छात्रों ने बनाया है। हालांकि विश्वविद्यालय ने सफाई दी कि उनके कैंपस में इन्हें डिवेलप किया जा रहा था, न कि इन्हें बनाया (बिल्ड किया) गया था। अगर ऐसा भी है, तो यह किसी का चित्र या वीडियो देखकर उसकी नकल (डीपफेक) तैयार करने के समकक्ष बैठता है और हमें एआई को लेकर देश में हो रही पहलकदमियों को लेकर ज्यादा गंभीरता से विचार करने को प्रेरित करता है।

यहां एआई को लेकर भारत में हो रहे कथित नवाचार को लेकर सवाल पैदा होते हैं। जैसे, पहला सवाल यह कि क्या हमें वास्तव में इसकी जरूरत है? एक ऐसी तकनीक, जिस पर आरोप है कि वह सैकड़ों क्षेत्रों में दखल देते हुए लाखों रोजगार खा जाएगी, आबादी बहुल देश में तभी कुछ अर्थ रखती है, जब उससे नई किस्म के दूसरे लाखों रोजगार पैदा हों। अभी इसका सटीक उत्तर मिलने में वक्त है, क्योंकि चौटजीपीटी के नए अवतार में सामने आए अभी इसे महज सवा तीन साल बीते हैं।

दूसरा सवाल है कि क्या भारत को इसे आजमाने की तेजी दिखानी चाहिए? तकनीकें अपनाने व उन्हें समझने को लेकर दुनिया का जो मौजूदा ट्रेंड है, उसकें मद्देनजर इस प्रश्न का उत्तर हां है। लेकिन तीसरा अहम सवाल यह है कि आखिर भारत के लोग, सरकार और तमाम संगठन क्या इसमें कोई नवाचार कर पा रहे हैं? इस सवाल का उत्तर दो टुकड़ों में मिलता है। पहला, यदि नवाचार का तंत्र विकसित करने और माहौल बनाने की बात है, तो सरकार और शिक्षण संस्थानों से लेकर तमाम कंपनियां इसमें पूरी ताकत से लग गए हैं— जो सार्थक बात है। लेकिन उत्तर का दूसरा हिस्सा हमें दुविधा में डालता है। यहां यह तथ्य सामने आता है कि तकनीकी नवाचार से जुड़े ज्यादातर मामलों में हमारा देश कॉपी—पेस्ट शैली वाले नवाचार में फंस गया है। हमारे ही आसपास तमाम लोग और कंपनियां गूगल जैसा सर्च इंजन, फेसबुक, इंस्टाग्राम या व्हाट्सऐप जैसा सोशल मीडिया मंच या फिर उन्हीं आविष्कारों को दोहराने का प्रयास करते दिखाई देते हैं, जिनका ईजाद अमेरिका, चीन, जापान, कोरिया में हुआ और हम उनकी नकल तैयार करने लगते हैं। सवाल है कि क्या यह नवाचार है। तो इसका उत्तर है कि यह हमें लकीर का फकीर साबित करता है। हम लीक से हटकर कोई ऐसा नया आविष्कार नहीं कर रहे, जो दुनिया को झकझोर दे और दूसरे देशों को वह भारतीय आविष्कार अपनाने—खरीदने को प्रेरित कर दे।

खासतौर से एआई की बात करें, तो देश में इसे अपनाने को लेकर एक हड़बड़ी भी दिखाई दे रही है जिस कारण गड़बड़ी हो रही है और दुष्प्रभाव पैदा हो रहे हैं— खासकर शिक्षा जगत में। विज्ञान और चिकित्सा जगत में एक नियम बहुत प्रचलित है कि कोई नया ईजाद आमजन के सामने तब तक नहीं लाया जाना चाहिए, जब तक उसके दुष्प्रभावों का सटीक आकलन न हो जाए। फार्मा उद्योग के लिए तो इसके लिए कड़े मानक हैं कि किसी दवा या टीके को बनाने के बाद लंबे समय तक उसका मानव चिकित्सा परीक्षण (ह्यूमन क्लिनिकल ट्रायल) होना चाहिए (कोविड—19 महामारी की जटिल व आपदाकारी स्थितियों को छोड़कर)।

दुनिया के तकनीकी और औद्योगिक विकास के क्रम में भी कोई मशीन या आविष्कार वर्षों या कई बार दशकों के प्रयोगों—परीक्षण के बाद इस स्थिति में आया है कि आमजन उसका इस्तेमाल कर सके। लेकिन एआई को अपनाने के संबंध में भारत समेत दुनिया के कई देशों में एक किस्म का उतावलापन दिखाई दे रहा है। इंटरनेट व तकनीक से जुड़ी कंपनियों को इसमें मुनाफा नजर आ रहा है लेकिन सरकारों पर इसका पर्याप्त दबाव दिखाई दे रहा है कि वे इसे अपनाएं और इसके लायक तंत्र व माहौल पैदा करें।

इसमें संदेह नहीं है कि उद्योग जगत और इंटरनेट से संचालित अर्थव्यवस्था में इस चमत्कारी तकनीक (एआई) के बेशुमार फायदे हैं। इस नजरिए से वहां एआई टूल्स और सॉफ्टवेयर अपनाना समझदारी हो सकता है। लेकिन शिक्षा के क्षेत्र में एआई को लेकर तेजी से बन रही स्वीकारोक्ति किसी दबाव का नतीजा ज्यादा लगती है, बजाय इसकी जरूरत के।

अगर पूछा जाए कि शिक्षा बोर्डों, विश्वविद्यालयों और खुद सरकारों के सामने ऐसी क्या मजबूरी है कि वे छात्रों को एआई की जानकारी से लैस करना चाहते हैं। एक सच्चाई यह कि असल में इसके पीछे एआई और डाटा एल्गोरिदम से जुड़ी तकनीकी व इंटरनेट कंपनियों का दिमाग है। ये कंपनियां अपने कारोबारी मकसद के लिए एआई से जुड़ा डाटा पैदा करके उसका इस्तेमाल करना चाहती हैं ताकि एल्गोरिदम को उनकी जरूरतों के हिसाब से डिजाइन कर सकें। विशाल आबादी वाले भारत से ज्यादा डाटा और कौन—सा देश मुहैया करा सकता है। ये कंपनियां सरकारों और शिक्षा जगत को एआई के लिए लुभा रही हैं और इसके लिए बेहद सस्ती दरों पर एआई के एप्लिकेशन (ऐप) और संबंधित तकनीकें बेचकर उन्हें अपने झांसे में ले रही हैं। एआई की दुनिया बेशक तेज हो, लेकिन इसकी एक सबसे बड़ी हकीकत यह है कि यह सच्चाई से अलग एक ऐसी दुनिया में ले जाती है, जहां नकली चीजें असली लगती हैं और पराए ज्ञान को लोग अपना मानकर किसी गफलत के शिकार हो सकते हैं। लेखक मीडिया यूनिवर्सिटी में एसोसिएट प्रोफेसर हैं।

एप्स्टीन फाइल्स : शक्तिशाली 'भेड़ियों' की हकीकत

— निर्मल रानी—

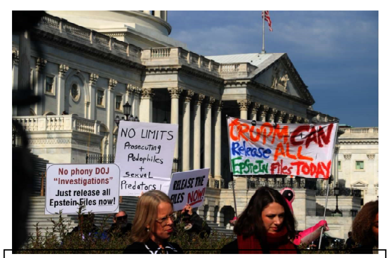

निश्चित रूप से एपस्टीन फाइल्स पितृसत्ता की एक गहरी तस्वीर पेश करती हैं, जहां धनाढ्य पुरुष विश्वव्यापी नेटवर्क बनाते हैं और एक दूसरे से जानकारी साझा करते हैं और महिलाओं को परिधि पर रखते हैं। वास्तव में 'आधी आबादी ' को प्रायः सहयोगी,या यौन सुख प्रदान करने वाली के रूप में ही देखा जाता है न कि समान भागीदार के रूप में। खासकर गरीब परिवारों की छोटी बच्चियों को तो कमजोर और आसानी से नियंत्रित करने योग्य माना जाता था। एप्स्टीन के नेटवर्क में शामिल कुछ पुरुषों ने कथित तौर पर इन लड़कियों को 'उपहार' के रूप में इस्तेमाल किया, जिससे व्यापारिक या राजनीतिक लाभ मिलते थे।

इन दिनों एप्स्टीन फाइल्स का भूत अमेरिका से लेकर भारत तक सड़कों पर नाच रहा है। अमेरिकी कांग्रेस के कानून के अन्तर्गत और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर हस्ताक्षर के बाद ही अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा यह फाइल्स जारी की गई हैं। इस आदेश के तहत अमेरिकी न्याय विभाग को एपस्टीन से जुड़े सभी अनक्लासिफाइड रिकॉर्ड्स, दस्तावेज, कम्युनिकेशन्स और जांच सामग्री सार्वजनिक करने का निर्देश प्राप्त है। हालांकि यह कानून 2025 में कांग्रेस के दोनों सदनों (हाउस और सीनेट) से लगभग सर्वसम्मति से पास हुआ था, और राष्ट्रपति ट्रंप ने 19 नवंबर 2025 को इस पर हस्ताक्षर किए थे। इसी कानून के तहत अमेरिकी न्याय विभाग ने समय—समय पर फाइल्स जारी कीं। परन्तु इन फाइल्स का बड़ा हिस्सा गत 30 जनवरी 2026 को जारी किया गया, जिसमें 3.5 मिलियन से ज्यादा पृष्ठ, 2,000 से अधिक वीडियो और लगभग 1,80,000 फोटो शामिल थे। एप्स्टीन फाइल्स के इसी खुलासे के बाद पूरी दुनिया में हड़कंप मच गया। दुनिया के जाने माने लोगों के चेहरे से नकाब हटने लगी। इन फाइल्स के सार्वजनिक होने के बाद एपस्टीन के यौन अपराधों, ट्रैफिकिंग नेटवर्क और शक्तिशाली व्यक्तियों के साथ उनके संबंधों की गहराई उजागर हुई।

गौरतलब है कि जेफरी एपस्टीन, एक अमीर फाइनेंसर और दोषी यौन अपराधी है। इसने अनेक नाबालिग लड़कियों और युवा महिलाओं का शोषण किया, और इन फाइल्स में राजनीतिक, व्यापारिक और सामाजिक हस्तियों के कई नाम सामने आए। इन खुलासों के बाद कई प्रमुख व्यक्तियों का भविष्य व जीवन प्रभावित हुआ। कई लोगों को इस्तीफे देने पड़े तो कई के विरुद्ध जांच बिठाई गयी। आपना नाम आने पर कई लोग शर्मिंदगी से जहाँ मुंह छुपाते घूम रहे हैं वहीं तक कि इस नेटवर्क में नाम आने के बाद कई लोग भूमिगत हो चुके हैं और मीडिया से मुंह छुपाते फिर रहे हैं। वहीं भारत में केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी जैसे शख्सियत भी है जो एपस्टीन फाइल्स के खुलासे के अनुसार तो जेफरी एपस्टीन से 14 बार मिले परन्तु वे स्वयं एपस्टीन से 8 सालों में केवल 3—4 बार की मुलाकात को ही स्वीकार करते हैं। इसके बावजूद यह इस सवाल से बच नहीं पा रहे कि 13—14 बार या 3—4 बार नहीं बल्कि यदि एक सजायाफ्ता बदनाम यौन अपराधी से हरदीप पुरी एक बार भी मिले तो उस मुलाकात की वजह क्या थी ? जो व्यक्ति खुद स्वीकार कर चुका है कि वह कम उम्र की बच्चियों से सैक्स करने का आदी था ऐसे भेड़िया मानसिकता वाले व्यक्ति से मुलाकात क्यों की गयी ? किसके कहने पर या किसके लिये की गयी ? बहरहाल उम्मीद की जा रही है कि अभी दुनिया के और भी अनेकानेक सफेदपोश भेड़िये के नाम सामने आएंगे और इस्तीफों की भी झड़ी लग सकती है।

दुनिया में आये दिन घटित होने वाली तमाम घटनाएं ऐसी हैं जो पितृ सत्ता या पुरुष प्रधान समाज का बार बार एहसास कराती हैं। परन्तु इस घटना में तो जेफरी एपस्टीन पर 2019 में न्यूयॉर्क में संघीय अदालत ने उसपर सेक्स ट्रैफिकिंग ऑफ माइनर्स के आरोप लगाए, जिसमें दर्जनों नाबालिग लड़कियों यहाँ तक कि 14 साल से भी कम उम्र की कुछ बच्चियों का यौन शोषण शामिल था। यह उसकी स्वीकारोक्ति थी कि उसने नाबालिग लड़कियों से यौन संबंध बनाये व अवैध काम किए। इसलिये इस विश्वव्यापी नेटवर्क से पर्दा उठने के बाद अब यह सवाल भी उठने लगा है कि दुनिया के धनाढ्य और शक्तिशाली लोगों की नजर में महिलाओं, खासकर छोटी बच्चियों का क्या स्थान है ? महिलाओं को बराबरी का दर्जा देने का ढोंग रचने वाला सफेद पोश पुरुष प्रधान समाज जो कभी महिलाओं को आधी आबादी कहकर खुश करता है तो कभी बच्चियों को शक्ति व देवी के रूप में पूजता भी है उन्हीं बच्चियों को अपने पैसे व सत्ता के बल पर अपनी हवस का निशाना बनाने वाले लोग नाबालिग लड़कियों और युवा महिलाओं का शारीरिक शोषण भी करते हैं ?

निश्चित रूप से एपस्टीन फाइल्स पितृसत्ता की एक गहरी तस्वीर पेश करती हैं, जहां धनाढ्य पुरुष विश्वव्यापी नेटवर्क बनाते हैं और एक दूसरे से जानकारी साझा करते हैं और महिलाओं को परिधि पर रखते हैं। वास्तव में 'आधी आबादी ' को प्रायः सहयोगी,या यौन सुख प्रदान करने वाली के रूप में ही देखा जाता है न कि समान भागीदार के रूप में। खासकर गरीब परिवारों की छोटी बच्चियों को तो कमजोर और आसानी से नियंत्रित करने योग्य माना जाता था। एप्स्टीन के नेटवर्क में शामिल कुछ पुरुषों ने कथित तौर पर इन लड़कियों को 'उपहार' के रूप में इस्तेमाल किया, जिससे व्यापारिक या राजनीतिक लाभ मिलते थे। यह दर्शाता है कि शक्तिशाली लोगों की नजर में, महिलाएं और लड़कियां अक्सर सत्ता और प्रभाव बनाए रखने का साधन बन जाता है न कि कोई सम्मानजनक मानव। महिलाओं को केवल 'प्रजनन उपकरण' के रूप में देखना भी पितृसत्ता की ही एक गहरी साजिश है।

इसलिये एप्स्टीन फाइल्स से प्राप्त हो रहे ब्यौरों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि एप्स्टीन जैसे मामलों में जहाँ कुछ शक्तिशाली व्यक्तियों द्वारा छोटी मासूम बच्चियों को मात्र अपनी यौन संतुष्टि के लिये या अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सौदेबाजी के साधन के रूप में अथवा किसी शख्सियत व्यक्ति को ब्लैकमेल करने की गरज से इस्तेमाल किया गया। यह एक ऐसी व्यवस्थित समस्या है जहां धन, सत्ता के बल पर और जवाबदेही की कमी से ऐसी संस्कृति पनपती है। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों के अनुसार, यह वैश्विक अपराध नेटवर्क का हिस्सा है, जहां महिलाओं और लड़कियों का वस्तुकरण नस्लवाद और भ्रष्टाचार से जुड़ा है। हालांकि, एफबीआई की जांच में ट्रैफिकिंग रिंग के लिए पर्याप्त सबूत भले ही नहीं मिले परन्तु पीड़ितों की गवाहियां बताती हैं कि यह शोषण अत्यंत व्यापक था। ये फाइल्स यह भी दिखाती है कि सत्ता के शीर्ष पर मिसोगिनी (स्त्री—द्वेष) और यौन हिंसा कैसे सामान्यीकृत हो जाती है। यह एक ऐसी विकृत पुरुष प्रधान व्यवस्था का प्रतिबिंब भी है जहां पीड़ितों को न्याय मिलना मुश्किल रहता है। एपस्टीन फाइल्स ऐसे ही शक्तिशाली पुरुष 'भेड़ियों ' की हकीकत को उजागर करती है।

भावनाओं को भड़काने वाली राजनीति

—कमलेश पाण्डेय—

दुनिया को वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश देने वाला जनतांत्रिक भारत आज जातीय, धार्मिक और क्षेत्रीय भावनाओं को भड़काने वाली ब्रिटिशनीति व मुसलिया सियासत के चक्रव्यूह में फंसा पड़ा है। इससे सर्वे भवंतु सुखिन:, सर्वे संतु निरामया जैसी उसकी उदात्त सोच भी कठघरे में खड़ी प्रतीत हो रही है। यहां की प्रतिभाशाली और प्रभुत्वशाली सामान्य जातियों (सवर्णों) के खिलाफ देश में जो लक्षित पूर्वाग्रही राजनीति कथित दलित—ओबीसी नेताओं के द्वारा की जा रही है, उससे देश व समाज के सामने विभिन्न नैतिक व वैधानिक सवाल उठ खड़े हुए हैं!

हैरत की बात है कि सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की जगह बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय के नारे लगाए जाते हैं। कहीं जाति, कहीं धर्म और कहीं भाषा—क्षेत्र के नाम पर लोगों के उत्पीड़न हो रहे हैं। वहीं कहीं सामाजिक न्याय आधारित आरक्षण और साम्प्रदायिक सोच आधारित अल्पसंख्यकवाद के अव्यवहारिक पहलुओं को हवा देकर आमलोगों को उल्लू बनाया जा रहा है। आलम यह है कि ऐसे करने वाले नेता, उनके हमकदम मस्त हैं, जबकि आमलोग त्रस्त हैं।

हद तो यह कि हमारे संविधान के संरक्षक अनर्गल दलीलें देकर मानवता का गला घोंट रहे हैं, जबकि यही प्रवृत्ति कतिपय संविधान निर्माताओं में भी दिखी थी। वहीं आज के कथित रखवाले जन्मांध धृतराष्ट्र की भूमिका निभा रहे हैं। इनके जैसे ही नेताओं की खामोशी से जहां 1947 में साम्प्रदायिक विभाजन हुआ, वहीं इनके षड्यंत्र से आजादी के बाद से ही जातीय, क्षेत्रीय व नवसाम्प्रदायिक विभाजन की प्रवृत्ति हावी होती दिख रही है, जो आज भी जारी है। ऐसे में एक और महाभारत छिड़ना तय है। पुनः विभाजन होना तय है। इतिहास साक्षी है कि जब कभी भी महाभारत होता है तो संख्याबल पर बुद्धिबल ही भारी पड़ती है और आगे भी यही होगा।

कहना न होगा कि कोई भी लोकतंत्र स्वतंत्रता, समानता व बन्धुत्व की बुनियाद पर मजबूत होता है, लेकिन जब बहुमत की सियासी शरारत शुरू हो जाए और वामपंथियों के वर्गवादी राजनीति को मात देने के लिए पूंजीवादी प्रभाव वश जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र की सियासत तेज हो जाए तो देर सबेर राष्ट्र राज्य का बिखरना तय होता है। इसलिए इनसे जुड़े राजनीतिक हथकंडों और उन्हें शह देने वाले संवैधानिक प्रावधानों को यदि समय रहते ही नहीं बदला गया तो बाद में इन्हें नियंत्रित करना आसान नहीं होगा!

ऐसा इसलिए कि जातिवादी कैंसर, सांप्रदायिक एड्स और क्षेत्रवादी तपेदिक (टीबी) से शांतिप्रिय व सहनशील भारतीय समाज सदियों से ग्रसित है, लेकिन बीती सदी में इन्हें एक कानूनी स्वरूप देकर स्थिति को जटिल चुनौती बना दी गई है। किसी समूह के इतिहास को साक्षी मानकर उनके वर्तमान को रौंदने की जो सियासी प्रवृत्ति भारत में हावी है, उससे सामान्य व कथित सवर्ण जातियों में भारी रोष व्याप्त है।

इसलिए समावेशी संवैधानिक प्रावधानों, हिंसा—प्रतिहिंसा पर समान कानूनी सख्ती और सामाजिक जागरूकता के संयोजन से ही अब इस जटिल स्थिति से निबटना संभव है, लेकिन हमारी सियासी सोच इसके विपरीत है। वह आज भी विदेशी फूट डालो, शासन करो पर केंद्रित है। लिहाजा, कतिपय कानूनी उपाय अपेक्षित हैं। पहले चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों और नेताओं के भाषणों पर सख्त निगरानी रखनी चाहिए।

प्रसव के बाद महिला की हालत बिगड़ने से मौत, अस्पताल के बाहर शव रखकर हंगामा

संवाददाता—महराजगंज। पनियरा नगर पंचायत स्थित एक निजी अस्पताल एक महिला का ऑपरेशन से प्रसव के बाद हालत बिगड़ने से मौत के बाद मामला गरमा गया। महिला की हालत बिगड़ने पर अस्पताल के लोगों ने बिना परिजनों से पूछे उसे गोरखपुर के एक निजी अस्पताल में पहुंचाया, जहां उसकी मौत हो गई। महिला की मौत के बाद परिजनों ने शव लाकर इस निजी अस्पताल के सामने रख दिया। कार्रवाई की मांग को लेकर जमकर हंगामा हुआ। वहीं, अस्पताल के जिम्मेदार ताला बंद कर खिसक लिए। मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह समझा—बुझाकर मामला शांत कराया। परिजनों ने पुलिस को कार्रवाई के लिए तहरीर दे दी है। पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, जबकि नवजात को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। क्षेत्र के ग्राम तेंदुअहिया निवासी दीपक कन्नौजिया ने बताया कि उसने अपनी पत्नी पूजा को प्रसव पीड़ा होने के बाद बुधवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पनियरा लेकर पहुंचा। पीएचसी से महिला की हालत देख डॉक्टर ने उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया, लेकिन वह बहकावे में आ गया और कस्बे के एक निजी अस्पताल में अपनी पत्नी को भर्ती करा दिया। पुलिस को दी गई तहरीर में दीपक ने बताया कि उससे 40 हजार रुपये जमा कराकर ऑपरेशन से प्रसव कराया गया। लेकिन ऑपरेशन के दौरान अधिक खून निकल जान से गुरुवार को उसकी पत्नी की हालत बिगड़ने लगी। इसके बाद अस्पताल के जिम्मेदारों ने उसे गोरखपुर एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां जांच के बाद वहां डॉक्टर ने गाड़ी में ही जांच कर उसको मेडिकल कालेज ले जाने को कहा। वहां लेकर गये तो उसकी मौत हो गई थी। शव लेकर आए परिजन तो जिम्मेदार हो गए फरार परिजन शव को लेकर पनियरा आये और हास्पिटल पर पहुंचे तो संचालक सहित सभी जिम्मेदार ताला बंद कर फरार हो गये। उसने पुलिस को सूचना दी और तहरीर भी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। इस बावत थानाध्यक्ष राघवेन्द्र सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। तहरीर मिली है। सीएमओ सहित अन्य उच्चाधिकारियों को सूचना दी गई। मामले की जांच—पड़ताल की जा रही है।

लेबर पेन से परेशान महिला ने चाकू से पेट फाड़कर निकाला बच्चा

संवाददाता—बहराइच। फखरपुर निवासी महिला को तेज प्रसव पीड़ा शुरू हुई तो उसने अपना पेट चाकू से फाड़कर नवजात को बाहर निकाल लिया। इसके बाद उसकी हालत बिगड़ गई। गंभीर हालत में उसे सीएचसी फखरपुर से मेडिकल कालेज अस्पताल रेफर किया गया है। जहां पर उसकी हालत चिंताजनक देख चिकित्सकों ने उसे ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया। जबकि नवजात पूरी तरह स्वस्थ है। महिला के पांच बच्चे पहले से भी हैं, पति की मौत छह माह पहले हो चुकी है। नंदवल गांव निवासी 34 वर्षीय ननकई गर्भवती थी। गुरुवार दोपहर उसे तेज प्रसव पीड़ा शुरू हुई। घर पर कोई न होने के चलते महिला ने अपने पेट को चाकू से फाड़ दिया। इसके बाद नवजात बेटी को गर्भ से बाहर निकाल लिया। चीख पुकार सुनकर आसपास रहने वाली महिलाए जब घर में दाखिल हुई तो अंदर महिला को खून से लतपथ देख सूचना तत्काल इसके बाद सूचना क्षेत्र के एएनएम को दी। एएनएम ने एंबुलेंस से महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फखरपुर पहुंचाया। यहां हालत गंभीर होने पर उसे मेडिकल कालेज अस्पताल रेफर कर दिया गया। मेडिकल कालेज पहुंचने पर महिला को इमरजेंसी में भर्ती कर डा. शिवम मिश्रा व डा. राजेश सोनकर ने इलाज शुरू किया,लेकिन चिकित्सकों ने हालत चिंताजनक देख तत्काल उसे ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया।

काफी गंभीर है। जबकि नवजात बच्ची पूरी तरह स्वस्थ है और उसे महिला विंग में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। ग्रामीणों की सूचना पर सिरौली गांव निवासी महिला की मां मुन्नी देवी भी अस्पताल पहुंची। उसने बेटी द्वारा चाकू से पेट फाड़ने की बात कही। चाकू से पेट फाड़ने वाली ननकई महिला के चार बेटे व एक बेटी पहले से हैं। जबकि छठी बेटी को उसने गुरुवार को चाकू से पेट फाड़कर गर्भ से बाहर निकाला। महिला की मां ने बताया कि दामाद रमेश की छह माह पहले मौत हो चुकी है। मेडिकल कालेज अस्पताल पहुंचे नंदवल गांव निवासी कृष्ण मोहन ने बताया कि महिला का भाई पंजाब में काम करता है। जिसने फोन पर सूचना अपने स्वजन को दी। इसके बाद सभी सीधे अस्पताल पहुंचे ।

कांग्रेस का मनरेगा बचाओ संग्राम के समर्थन में धरनाः लखनऊ लाठीचार्ज के विरोध में प्रदर्शन, सरकार पर दमन का आरोप

संवाददाता—देवरिया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को जिला मुख्यालय पर शांतिपूर्ण धरना—प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत 17 फरवरी को लखनऊ में हुए विधानसभा घेराव कार्यक्रम के दौरान पुलिस लाठीचार्ज के विरोध में आयोजित किया गया था। कार्यकर्ताओं ने नगर पालिका परिषद परिसर स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष अपनी बात रखी। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि लखनऊ में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित शांतिपूर्ण विरोध मार्च को पुलिस ने बलपूर्वक रोका। इस कार्रवाई में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय सहित कई नेता और कार्यकर्ता घायल हो गए थे। पार्टी ने सरकार की इस कार्रवाई को दमनकारी करार दिया। वक्ताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगें रखने वाले कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज करना सरकार की असहिष्णुता को दर्शाता है। उन्होंने जोर दिया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर बल प्रयोग लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। जिला अध्यक्ष विजय शेखर मल्ल 'रोशन' ने मनरेगा को ग्रामीण गरीबों और मजदूरों के लिए जीवनरेखा बताया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस मनरेगा के बजट में कटौती और भुगतान में देरी जैसे मुद्दों पर लगातार आवाज उठा रही है। उन्होंने सरकार से जनहित के मुद्दों से ध्यान भटकाने के बजाय मनरेगा को मजबूत करने की दिशा में काम करने का आग्रह किया। धरने को संबोधित करते हुए किसान कांग्रेस पूर्वी जोन के पूर्व अध्यक्ष सुयश मणि त्रिपाठी और मनरेगा कोऑर्डिनेटर सत्य प्रताप मिश्रा 'अंशु' सहित अन्य नेताओं ने भी लाठीचार्ज की कड़ी निंदा की। इस धरना कार्यक्रम में नागेंद्र शुक्ला, सुभाष राय, वरुण राय, जिला उपाध्यक्ष भरत मणि त्रिपाठी, जुलेखा खातून, अब्दुल जब्बार, जिला प्रवक्ता संजीव कुमार मिश्रा, शहर अध्यक्ष मिर्जा खुर्शीद, जिला महासचिव मनोज मणि त्रिपाठी, रामप्रवेश सिंह, सच्चिदानंद मिश्र, मधु शर्मा, आलोक त्रिपाठी 'राजन', रीता देवी, कुलदीप यादव, किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार पाण्डेय, सुहेल अंसारी, जिला सचिव पन्नालाल पाठक ब्लाक अध्यक्ष मुजफ्फर हुसैन मंसूरी, रमेश कुशवाहा, निर्मला वर्मा, डॉ. सीपी चौहान, राशिद अंसारी, विनोद त्रिपाठी, धनंजय यादव, रविन्द्र मल्ल, विरेन्द्र त्रिपाठी, रजनीश उपाध्याय, विजय कुमार सिंह सहित दर्जनों कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जनहित के मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

इबादत और रहमत का आगाज मस्जिदों में उमड़े अकीदतमंद

संवाददाता—बलरामपुर। गुरुवार को रमजान—उल—मुबारक का पहला रोजा अकीदत और खालिस इबादत के माहौल में रखा गया। लरजते होंठ, सूखे हलक और दुआ के लिए उठे हाथों के साथ रोजेदारों ने अल्लाह से रहमत की फरियाद की। चांद नजर आते ही बुधवार रात से माहे रमजान की शुरुआत हो गई और ईशा की नमाज के बाद मस्जिदों में तरावीह की विशेष नमाज अदा की गई, जो पूरे महीने जारी रहेगी। वहीं रमजान पर्व को लेकर बाजारों में सेवइयों की दुकानें पूरी तरह सज चुकी हैं। विभिन्न प्रकार की सेवइयां लोगों को रिझा रही हैं। दिन में लोग जमकर खरीदारी कर रहे हैं।

माह—ए—रमजान को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। गुरुवार को पहले रोजे पर मस्जिदें नमाजियों से खचाखच भरी रहीं। पुरुषों और युवाओं ने मस्जिदों में नमाज अदा की, जबकि महिलाओं और बच्चों ने घरों में कुरान—ए—करीम की तिलावत की। मस्जिदों में अतिरिक्त चटाइयों, वुजू के पानी और रोशनी का विशेष इंतजाम किया गया। सहरी के बाद से ही इबादत का सिलसिला शुरू हो गया, जो इफ्तार तक जारी रहा। मौलाना रिजवान अहमद जियाई ने कहा कि रमजान इंसान को बुराइयों से दूर कर अल्लाह के करीब लाने का महीना है। भूख—प्यास और तमाम इच्छाओं पर संयम रखकर रोजेदार अपने अंदर सब्र, परहेजगारी और इंसानियत पैदा करता है। उन्होंने बताया कि रमजान में की गई हर नेकी का सवाब कई गुना बढ़ जाता है। इस महीने को तीन अशरों—रहमत, मगफिरत और निजात में बांटा गया है, जिनमें अल्लाह अपने बंदों पर विशेष करम फरमाता है। वहीं दूसरी ओर रमजान महीना होने के चलते इस समय बाजार गुलजार हैं। तरह—तरह की सेवइयों से दुकानें सजी हैं, लोग जमकर खरीदारी कर रहे हैं। त्योहार को लेकर अकीदतमंदों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

कोल्डड्रिंक ना देने पर नशेड़ियों ने छात्र को पीटकर किया अधमरा, लखनऊ रेफर

संवाददाता—बलरामपुर। दुकान पर कोल्डड्रिंक न मिलने की मामूली बात पर नशेड़ी युवकों ने यूपी बोर्ड 12वीं कक्षा के छात्र आलोक कुमार गुप्त को राड व हाकी से पीटकर अधमरा कर दिया। बचाव में आए उसके भतीजे 18 वर्षीय दुर्गेश को भी युवकों ने पीटा, जिससे सिर पर चोट आई है। गंभीर रूप से घायल पाला लालाजोत गांव निवासी आलोक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नंदनगर से लखनऊ रेफर किया गया है। अब वह आगे की परीक्षा नहीं दे पाएगा। घटना में शामिल चील्ही कला गांव निवासी प्रमोद यादव व उसके दो साथियों के विरुद्ध गौरा चौराहा थाना में मुकदमा दर्ज किया गया है। आलोक कुमार गुप्त नगर के डीएवी इंटर कालेज में 12वीं कक्षा का छात्र है। बीते गुरुवार को वह भगवती आदर्श इंटर कालेज परीक्षा केंद्र में हिंदी की परीक्षा देकर लौटा था। पढ़ाई के साथ वह अपने भाई सत्यदेव के साथ नसीबगंज चौराहा स्थित चाय व कोल्डड्रिंक आदि का होटल चलाता है। रात नौ बजे के बाद वह होटल पर बैठा आगामी परीक्षा की तैयारी कर रहा था। पीड़ित के भाई सत्यदेव ने बताया कि इसी बीच प्रमोद यादव अपने दो साथियों के साथ सफेद रंग की स्विफ्ट कार में सवार होकर वहां पहुंचा। तीनों कार में बैठे शराब पी रहे थे। इनमें से एक युवक कार से उतरकर आया और कोल्डड्रिंक मांगी। आलोक ने कहा कि कोल्डड्रिंक की बोतल जो रखी है, वह एक्पायर हो गई है, इसलिए नहीं दे पाऊंगा।

इस पर मनगढ़ युवक ने आलोक को गालियां देते हुए मोबाइल छीनकर कार की तरफ चल दिया। आलोक मोबाइल लेने के लिए उसके पीछे दौड़ा। मोबाइल मांगने पर युवक उसे पीटने लगा। तब तक कार में बैठा प्रमोद यादव और उसका दूसरा साथी कार से उतर आए। तीनों मिलकर उसे मारने—पीटने लगे। दंबगों ने राड व हाकी से आलोक के सिर व चेहरे पर ताबड़तोड़ वार कर अधमरा कर दिया। आलोक को बचाने आए दुर्गेश पर भी नशेड़ी युवकों ने हमला किया। हाकी के वार से उसके भी सिर पर चोट आई। कस्बे के लोग व होटल पर काम करने वाले दो लड़के उसे बचाने दौड़े, तो तीनों ने कार में बैठ कर तेज रफ्तार से टक्कर मारकर दुकान का काउंटर क्षतिग्रस्त कर दिया।

भीड़ बढ़ती देख तीनों वहां से भाग निकले। थानाध्यक्ष हरीश सिंह ने बताया कि छात्र के बड़े भाई सत्यदेव की तहरीर पर प्रमोद यादव व दो अज्ञात पर मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

महताब खान बने कांग्रेस गोरखपुर मंडल विधि विभाग चेयरमैन

संवाददाता—महराजगंज। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा उत्तर प्रदेश कांग्रेस विधि विभाग के गोरखपुर मंडल का चेयरमैन नियुक्त किए जाने पर महराजगंज के वरिष्ठ अधिवक्ता महताब खान का स्वागत किया गया। यह स्वागत कार्यक्रम जिला कांग्रेस कार्यालय महराजगंज में जिलाध्यक्ष विजय सिंह एडवोकेट के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और अधिवक्ता साथी उपस्थित रहे। श्री खान का फूल मालाओं से स्वागत किया गया और उन्हें मिष्ठान खिलाकर उनके नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

स्वागत कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व जिलाध्यक्ष झिनकू चौधरी, पूर्व जिलाध्यक्ष अवनीश उर्फ विपिन पाल, सिविल बार एसोसिएशन महराजगंज के सचिव प्रमोद तिवारी, जिला कोषाध्यक्ष कपिल देव शुक्ला, जिला उपाध्यक्ष संगठन विनोद सिंह एवं नूर आलम, हल्ला बोल के गोविंद मिश्र, अनुसूचित विभाग के रामनारायण प्रसाद, शिक्षक नेता दीप चंद तिवारी, अधिवक्ता मनीष सिंह एडवोकेट, मार्तण्ड प्रताप सिंह, अजय कुमार वर्मा, मो० फैजान खान, धनुषधारी पांडे, नई मलिक, उमेश शर्मा, कमरेज आलम, हमीदुल्लाह खान अधिवक्ता सहित अजय सिंह और आनंद कन्नौजिया जैसे कई कांग्रेस नेता और अधिवक्ता उपस्थित थे। महताब खान के मनोनयन पर राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत, विधायक वीरेंद्र चौधरी, पूर्व सांसद जितेंद्र सिंह, निवर्तमान प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक प्रसाद, पूर्व जिलाध्यक्ष त्रिभुवन मिश्रा और शरद सिंह बबलू, वरिष्ठ कांग्रेस नेता शरदेंदु पांडे एवं सदामोहन उपाध्याय, विनीत सिंह, इंजीनियर शिवपूजन, डॉ रामनारायण चौरसिया, राजन शुक्ला सहित तमाम कांग्रेसियों ने बधाई दी।

डीएम की कर—करेत्तर राजस्व वसूली बैठक में बड़ी कार्रवाई

संवाददाता—गोंडा। जिले में जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने देर शाम कलेक्ट्रेट सभागार में कर—करेत्तर राजस्व वसूली की समीक्षा बैठक में जिला आबकारी अधिकारी प्रगल्भ लवानिया को फटकार लगाई। संतोषजनक प्रगति न मिलने पर डीएम ने उन्हें शोकॉज नोटिस जारी करने और लक्ष्य पूरा करने के लिए चेतावनी निर्गत करने के निर्देश दिए है। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने राजस्व वसूली से संबंधित सभी विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे अपने लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करें। उन्होंने तहसीलवार बकाया वसूली की प्रगति की समीक्षा करते हुए लंबित मामलों को प्राथमिकता पर लेने को कहा है।

डीएम ने चेतावनी दी कि राजस्व वसूली में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्हें पोर्टल पर अद्यतन डेटा अपलोड करने और योजनाओं के भौतिक व वित्तीय लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस समीक्षा बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला कल्याण, आबकारी, खनन, विद्युत, आयकर, पशुपालन, बांटमाप, वन विभाग, नगरपालिका, नगर पंचायत, औषधि, खाद्य सुरक्षा, मंडी और बैंक सहित अन्य विभागों की योजनाओं की प्रगति का भी जायजा लिया गया।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कर एवं निबंधन विभाग, आबकारी, नगर निकायों और जल निगम जैसे राजस्व से संबंधित विभागों को विशेष रूप से निर्देशित किया गया कि वे लक्ष्य के अनुरूप वसूली सुनिश्चित करें और उच्चाधिकारियों को नियमित रिपोर्ट दें। जिलाधिकारी ने जोर दिया कि शासन की मंशा के अनुरूप कार्यों में गति लाना और जनता को योजनाओं का लाभ समय पर दिलाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी अधिकारियों से समर्पण और उत्तरदायित्व के साथ कार्य करने की अपेक्षा की, ताकि जनहितकारी योजनाएं प्रभावी रूप से लागू हो सकें।

दरोगा से नोकझोंक मामले में 21 पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता—देवरिया। रामपुर कारखाना थाना क्षेत्र में एक दरोगा और युवक के बीच हुई नोकझोंक का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की है। एक पक्ष की शिकायत पर 21 लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। वहीं, सरेआम युवक का कॉलर पकड़ने वाले दरोगा की भूमिका की भी जांच शुरू कर दी गई है।

यह मामला डिघवा पौटवा गांव का है। गांव निवासी अब्दुल कादिर पुत्र हदीस सिद्दीकी ने गुरुवार को थाने में तहरीर दी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी पैतृक जमीन पर बनी बाउंड्री को गांव के कुछ लोगों ने तोड़ दिया। तहरीर में हुसैन, अबरार, एकलाख, आफताब, राशिद हुसैन, अब्दुल मन्नान, मेराज, सेराज, इम्तेयाज अहमद, आमिर अंसारी, राज अंसारी सहित 10 अज्ञात लोगों पर बाउंड्री क्षतिग्रस्त करने और उनके चचेरे भाई अजीज आलम के कमरे का ताला तोड़कर अपना ताला लगाने का आरोप है। कादिर के मुताबिक, 112 नंबर पर सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और ताला खुलवाया। आरोपियों के डर से तत्काल थाने में शिकायत दर्ज नहीं कराई गई, बल्कि मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत की गई। इस शिकायत की जांच के लिए मंगलवार को दरोगा आनंद कुमार मौके पर पहुंचे थे। आरोप है कि दरोगा की मौजूदगी में ही विपक्षी दोबारा बाउंड्री तोड़ने और कमरे का ताला तोड़ने का प्रयास करने लगे। विवाद बढ़ने पर सभी आरोपी रियासत अली की दुकान में घुस गए और गाली—गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे। इसी दौरान दरोगा और एक युवक के बीच तीखी नोकझोंक हुई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें दरोगा को युवक का कॉलर पकड़े हुए देखा जा सकता है।

पुलिस ने अब्दुल कादिर की तहरीर के आधार पर नामजद आरोपियों और 10 अज्ञात लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 191(2), 115(2), 352, 351(3), 333 और 324(4) के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि वायरल वीडियो की भी जांच की जा रही है। तथ्यों के सामने आने पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सड़क हादसे में एक की मौत, चार घायल

संवाददाता—गोंडा। जिले के मनकापुर कोतवाली क्षेत्र में जोगापुर गांव के पास देर रात एक पिकअप और अर्टिगा कार की जोरदार टक्कर हो गई। इस सड़क हादसे में तरबगंज थाना क्षेत्र के रेतादलसिंह निवासी 21 वर्षीय अंकित कसौधन की मौत हो गई।

हादसे में चार अन्य लोग घायल हुए हैं, जिनमें 23 वर्षीय नैना देवी, 40 वर्षीय किरण देवी, 18 वर्षीय अमन कसौधन और 3 वर्षीय कार्तिक शामिल हैं। पिकअप चालक महेश को भी चोटें आई हैं। सभी घायलों को गोंडा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

जानकारी के अनुसार नैना देवी के दोस्त की बलरामपुर के उतरौला में शादी थी। अंकित कसौधन, नैना देवी, किरण देवी, अमन कसौधन और कार्तिक कसौधन इसी शादी समारोह में शामिल होने गए थे। देर रात करीब 1 बजे उतरौला से वापस लौटते समय जोगापुर गांव के पास मुर्गों से लदे एक पिकअप वाहन से उनकी अर्टिगा कार की आमने—सामने की टक्कर हो गई।

हादसे के बाद मनकापुर कोतवाली पुलिस ने पिकअप और अर्टिगा कार को कब्जे में ले लिया है। भोलेनाथ कसौधन की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मनकापुर कोतवाल अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हुई है और चार लोग घायल हुए हैं, जिनका इलाज जारी है।

उन्होंने पुष्टि की कि यह घटना देर रात 1 बजे से 1रू30 बजे के बीच हुई, जब ये लोग शादी समारोह से लौट रहे थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि अर्टिगा कार चालक को नींद आने के कारण यह हादसा हुआ। पुलिस तहरीर के आधार पर पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है। अंकित कसौधन पुत्र राम प्रकाश कसौधन अपने मात पिता का इकलौता बेटा था। राम प्रकाश लकड़ी बेचने का कार्य करते हैं मृतक युवक ने इंटरमीडिएट तक की पढ़ाई की थी। अब वह नमकीन बिस्कुट का उत्पादन क्षेत्रीय बाजार में सप्लाई करता था। गांव के ही भोलानाथ अपने परिवार के साथ अपने रिश्तेदारी में बुधवार को गए थे। अंकित ने अपने माता—पिता को बताया था कि भोलानाथ के साथ उनकी रिश्तेदारी में निमंत्रण में उतरौला गया हुआ था। वापस आते समय हादसे में उसकी देर रात मौत हो गई।

श्रीरामायण वेला में श्रीमद्वाल्मीकीय रामायण कथा का हुआ शुभारंभ

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। नवनिर्मित देवस्थान 'श्रीरामायण वेला' में श्रीमद्वाल्मीकीय रामायण के भव्य शुभारंभ का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, गरिमा और वैदिक मंगलध्वनि के मध्य सम्पन्न हुआ। संत—महात्माओं की पावन उपस्थिति से सम्पूर्ण वातावरण आध्यात्मिक आलोक से दीप्त हो उठा। श्रद्धालुओं की भावपूर्ण सहभागिता ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक आयाम प्रदान किया।कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ पूज्य श्रीकमलनयन दास महाराज ने दीपप्रज्वलन कर किया। अपने आशीर्वचन में उन्होंने कहा कि वाल्मीकि रामायण केवल एक ग्रंथ नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति का शाश्वत प्राण है। यह मर्यादा, कर्तव्य और आदर्श जीवन की दिव्य पाठशाला है। उन्होंने जनमानस से इसके नियमित श्रवण और मनन का आग्रह करते हुए कहा कि रामायण का अध्ययन व्यक्ति और समाज दोनों के लिए पथप्रदर्शक है।

जगद्गुरु श्रीकृपालुरामभूषण दास देवाचार्य जी महाराज ने अपने उद्बोधन में रामायण को धर्म, प्रेम और समरसता का सार्वकालिक संदेश बताया। उन्होंने कहा कि जब समाज अपने मूल मूल्यों से विचलित होता है, तब रामकथा उसे पुनः संतुलन और सदाचार की दिशा प्रदान करती है।

वैदिक मंत्रोच्चार से गुंजायमान हुआ देवस्थान

आचार्य श्रीमिथिलेशनन्दिनी शरण जी महाराज ने रामायण को 'आदर्श पारिवारिक जीवन का दर्पण' बताते हुए श्रीराम के चरित्र को त्याग, सत्य और कर्तव्यनिष्ठा की सर्वोच्च पराकाष्ठा बताया। उन्होंने विशेष रूप से मातृ—पितृ भक्ति और भ्रातृ प्रेम के प्रसंगों को वर्तमान युग के लिए अत्यंत प्रासंगिक बताया।श्रीप्रेमशंकरदास जी रामायणी ने कहा कि रामकथा के श्रवण से अंतरूकरण की शुद्धि होती है और समाज में सद्भाव का संचार होता है। उन्होंने रामनाम की महिमा का वर्णन करते हुए इसे कलियुग का सरलतम साधन बताया।

इस अवसर पर जगद्गुरु श्री रत्नेश प्रपन्नाचार्य जी महाराज द्वारा कथा—वाचन किया गया। उन्होंने बालकाण्ड के मंगलाचरण से प्रारंभ करते हुए महर्षि वाल्मीकि की करुणा, तप और दिव्य दृष्टि का उल्लेख किया। कथा के माध्यम से उन्होंने स्पष्ट किया कि रामायण केवल श्रीराम की कथा नहीं, बल्कि 'मानव के रामत्व की यात्रा' है। उन्होंने कहा कि श्रीराम का जीवन संघर्षों के मध्य भी मर्यादा की अखंड ज्योति जलाए रखने की प्रेरणा देता है।

कथा के दौरान उपस्थित श्रद्धालु भाव—विभोर होकर 'सीताराम' के जयघोष से वातावरण गुंजायमान करते रहे। सम्पूर्ण आयोजन भक्ति, ज्ञान और वैराग्य के समन्वित संदेश के साथ संपन्न हुआ।इस भव्य शुभारंभ ने यह संदेश दिया कि श्रीधाम अयोध्या की पावन भूमि पर रामायण का निनाद केवल परंपरा नहीं, बल्कि संस्कृति के पुनर्जागरण का सशक्त संकल्प है। श्रीमद् वाल्मीकिरामायण कथा 2 से प्रारंभ होगी।

बैठ कर पढ़ें, लेट कर पढ़ने की आदत त्यागें—जीतेन्द्र

संवाददाता—श्रावस्ती। कैरियर काउंसलिंग एवं स्ट्रेस मैनेजमेंट विषय पर गुरुवार को पीएमश्री नवोदय विद्यालय सम्हारपुरवा में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में वरिष्ठ परामर्शदाता जितेंद्र मिश्रा ने विभिन्न तरह के करियर, उनसे सम्बंधित विषय, योग्यता और प्रवेश परीक्षा के बारे में छात्रों को जानकारी दी। जीतेन्द्र मिश्रा ने कहा कि सतत अभ्यास, समय प्रबंधन, संतुलित आहार, आदर्श स्वास्थ्य, आलस का त्याग और अच्छे साथियों के सहयोग से हम किसी भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। इस समय पढ़ाई में इंटरनेट का अत्यधिक प्रयोग किया जा रहा है। परंतु जितने डिजिटल रहे उतने फिजिकल भी रहें।

प्रामाणिक पुस्तकों का अध्ययन करें तथा शार्ट नोट्स बनाएं ताकि कम समय में सभी विषयों का अभ्यास हो सके। मोबाइल फोन से यथासंभव दूरी बनाए रहें। बैठ कर ही पढ़ें, लेट कर पढ़ने की आदत को त्यागें। योग, आउटडोर गेम में अवश्य जाएं व मैडिटेशन करें।

खेत में बछड़े का वध कर अवशेष तालाब किनारे दबाए, दो आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता—बलरामपुर। जिले के कोतवाली गैसड़ी क्षेत्र में गोवंशीय पशु वध की घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले म घटना 16 फरवरी 2026 को सामने आई, जब ग्राम बिशुनपुर कला निवासी ग्राम चौकीदार नजर मोहम्मद उर्फ राजू ने पुलिस को सूचना दी कि गांव के बाहर तालाब किनारे बोरे में गोवंशीय पशु (बछड़े) के अवशेष पड़े हैं। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और अवशेष बरामद किए। इसके बाद अज्ञात के खिलाफ उत्तर प्रदेश गोवध निवारण अधिनियम की धारा 3/5/8 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए। थानाध्यक्ष दुर्विजय सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर मामले की जांच शुरू की गई। 19 फरवरी 2026 को पुलिस टीम ने विवेचना के दौरान प्रकाश में आए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। उनकी पहचान कलीम पुत्र वारिस अली, निवासी बालापुर थाना जरवा, तथा बडकऊ उर्फ इमरान पुत्र चांद अली उर्फ बमलहरी, निवासी ग्राम हरखड़ी थाना पचपेड़वा के रूप में हुई। दोनों को अमवाबाग चितौड़गढ़ बंध के पास से पकड़ा गया।

पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्तों ने बताया कि 11 फरवरी को उन्होंने एक अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर घटना की योजना बनाई थी। उन्होंने एक छुट्टा बछड़े को ग्राम लुधौरी के गन्ने के खेत में ले जाकर उसका वध किया। आरोपियों ने मांस आपस में बांट लिया, जबकि पहचान छिपाने के उद्देश्य से बचे हुए अवशेषों को बिशुनपुर कला स्थित तालाब के किनारे गड्ढा खोदकर दबा दिया था। पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर दोनों को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

ब्राम्हण कभी जातिवादी नहीं रहा, सरकार को यूजीसी का नया नियम वापस लेना होगा

- जिससे ईश्वर ज्ञान प्राप्त करे वह गुरू वशिष्ठ साधारण नहीं हो सकते
- द्रोणाचार्य ने कर्ण को शिक्षा दिया होता तो महाभारत न होता
- गुरू वशिष्ठ, चारो भाईयों के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा 20 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। महर्षि वशिष्ठ आश्रम बढ़नी मिश्र में जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी महाराज के श्री मुख से वशिष्ठ रामायण कथा के दूसरे दिन रामभद्राचार्य जी ने कहा कि वे अपने परिवार में 1415 वीं कथा कह रहे हैं। 'गुरु गृह गए पढ़न रघुराई, अल्प काल विद्या सब आइय साक्षात ईश्वर अपने चारों भाइयों के साथ गुरू वशिष्ठ के आश्रम में शिक्षा लेने आये। जिससे ईश्वर ज्ञान प्राप्त करे वह गुरू वशिष्ठ साधारण नहीं हो सकते। कथा के क्रम में रामभद्राचार्य ने कहा कि सरकार को यूजीसी का नया नियम वापस लेना ही होगा। समाज का विभाजन स्वीकार्य नहीं हैं।

रामभद्राचार्य ने कहा कि ब्राम्हण कभी जातिवादी नहीं रहा। दुर्भाग्य से अनेक ब्राम्हण मांस सेवन, मछली खाने के साथ ही शराब का सेवन करने लगे हैं। ऐसे में ब्राम्हणों को स्वयं जागरूक होना होगा। महात्मा जी ने कहा कि गुरू वशिष्ठ, माता अरून्धती ने विश्व कल्याण के लिये अनेक पद्धतियों को जन्म दिया। रामभद्राचार्य ने बताया कि 20 फरवरी शुक्रवार को दिन में 12 बजे से गुरू वशिष्ठ, माता अरून्धती, श्रीराम, लक्ष्मण, भरत–शत्रुघ्न और विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा होगी। रामभद्राचार्य ने कहा कि वे स्वयं जातिवादी नहीं हैं। रामभद्राचार्य जी ने कहा कि बस्ती को वशिष्ठ नगर होना ही है। बढनी मिश्र गांव की अपनी आध्यात्मिक विशेषता है। रामभद्राचार्य ने कहा कि गुरू वशिष्ठ ने निषाद राज को आदर दिया।

जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी ने कहा कि द्रोणाचार्य ने कर्ण को शिक्षा देने से मना न किया होता तो महाभारत न होता। गुरू वशिष्ठ ने राजकुमारों के साथ सभी वर्गो को शिक्षा दिया।

कथा के यजमान दिनेश मिश्रा, मीरा मिश्रा, राम चरन मिश्रा , राधे रमण मिश्रा , पावन उपाध्याय , वंदना को आचार्य रामचन्द्रदास जी महाराज ने चरण पादुका पूजन कराया। आयोजक राना दिनेश प्रताप सिंह और कमेटी के सदस्यों ने जगद्गुरु रामभद्राचार्य को माल्यार्पण कर आशीर्वाद प्राप्त किया। राना दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि पूज्य गुरूदेव ने बस्ती को वशिष्ठ नगर बनाये जाने का उद्घोष कर दिया है। वे लम्बे समय से इसके लिये संघर्ष कर रहे हैं। निश्चित रूप से यह लक्ष्य गुरू कृपा से पूर्ण होगा। कथा आयोजक राना दिनेश प्रताप सिंह ने भरे मंच से बस्ती को वशिष्ठ नगर किए जाने की मांग की रामभद्राचार्य जी से की किया जिसका उपस्थित श्रद्धालुओं ने ताली बजाकर उनका स्वागत किया। बताया की तीसरे दिन शुक्रवार को महर्षि वशिष्ठ जी की प्राण प्रतिष्ठा एवं कथा अवसर पर हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला एवं पूर्व मुख्य सचिव दुर्गा शंकर राय कथा में सम्मिलित होंगे।

इसी कड़ी में वशिष्ठ रामायण कथा की सांस्कृतिक संध्या में वशिष्ठ धाम से पधारे मथुरा वृंदावन से नम्रता सिंह सुर संग्राम से उर्मिला राज, अभिषेक राणा ने 'राम आएंगे तो अंगना सजाऊंगी' 'मंगल भवन अमंगल हारी , तोहार लंका जारी हमार पूछ से , जो प्रेम गली में आया नहीं वो प्रेम क्या जाने आदि भजनों ने कथा श्रवण कर रहे श्रद्धालुओं ,को भाव विभोर कर दिया।

कथा के दूसरे दिन प्रमुख रूप से नगर पंचायत अध्यक्ष नगर श्रीमती नीलम सिंह 'राना' , रानी आशिमा सिंह , दिल्ली हिंदू फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अध्यक्ष डॉ. विनय प्रताप सिंह , सतीश मिश्रा, भाजपा के वरिष्ठ नेता दिवाकर मिश्रा , राजीव पांडेय, प्रदीप पाण्डेय , सत्य प्रकाश सिंह, संतोष मिश्रा, आलोक मिश्रा, विकास मिश्रा, संजय मिश्रा, विशाल यादव, सच्चिदानंद मिश्रा, नीतीश पाण्डेय , सोनू दुबे , सुभाष दुबे , अवधेश मिश्रा , मास्टर शिव, अश्वनी श्रीवास्तव, सतेंद्र श्रीवास्तव आरोग्य भारती के अखिल भारतीय संघटन सचिव डॉक्टर अशोक कुमार वाष्णेय , डॉक्टर संग्राम सिंह, डाक्टर दीपक सिंह, डॉक्टर वी.के. श्रीवास्तव , निरंकुश शुक्ला, डॉक्टर प्रीतम गुप्ता, पप्पू सिंह बेइली प्रधान कौशलेंद्र सिंह के साथ ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मयंक श्रीवास्तव ने किया।

लाठीचार्ज कर लोकतंत्र की आवाज दबा रही सरकार

संवाददाता–गोरखपुर। जिला एवं महानगर कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को जिला अध्यक्ष राजेश कुमार तिवारी एवं महानगर अध्यक्ष रवि प्रताप निषाद के नेतृत्व में टाउन हॉल स्थित गांधी प्रतिमा के समक्ष कांग्रेसियों ने मौत व्रत रख कर धरना दिया। यह धरना लखनऊ में मनरेगा बचाओ प्रदर्शन के दौरान प्रदेश अध्यक्ष अजय राय समेत तमाम कांग्रेसी कार्यकर्ताओं पर पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज के विरोध में आयोजित था। जारी प्रेस विज्ञप्ति में जिला अध्यक्ष राजेश कुमार तिवारी ने कहा है कि मनरेगा देश के गरीब, मजदूर और ग्रामीण परिवारों के जीवनयापन का प्रमुख आधार है। इस योजना को कमजोर करने के खिलाफ कांग्रेस पार्टी लगातार संघर्ष कर रही है।

लखनऊ में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज लोकतंत्र की मूल भावना पर सीधा आघात है। महानगर अध्यक्ष रवि प्रताप निषाद ने कहा कि कांग्रेस पार्टी गरीबों, किसानों और मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष जारी रखेगी। मौन धरना के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि सत्य और अहिंसा की राह पर चलकर अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई जाती रहेगी। धरना में गोरखलाल श्रीवास्तव, प्रमोद नायक, अनिल सोनकर, श्रीश उपाध्याय, सतेन्द्र निषाद, हरि सेवक त्रिपाठी, हजारी लाल जायसवाल, उत्कर्ष पाण्डेय, ज्ञानेंद्र शाही, व्यासमुनि उपाध्याय, विजेंद्र तिवारी, एडवोकेट विनोद कुमार पाण्डेय, राजीव कुमार पाण्डेय, प्रभाकर राय, इंदू भूषण शुक्ल, संतोष उपाध्याय, राजेश निषाद, ध्रुव पासवान, तौकीर आलम, बालगोविंद चौरसिया, योगेन्द्र नायक, राजेश दुबे, अमलेंदु कुमार , सुनील सिंह, रामसमुझ सवरा, रामनगीना साहनी, राजू सिंह, हौसिला पाण्डेय, अदालत यादव, श्रवण यादव, देवेन्द्र निषाद, सच्चिदानंद शर्मा, सतीश त्रिपाठी, हरीश चंद्र अग्रहरि, सुरेंद्र पासवान समेत काफी संख्या में कांग्रेसी उपस्थित रहे।

पेड़ से फंदे पर लटका मिला अधेड़ का शव

संवाददाता–संतकबीरनगर। बेलहर थाना क्षेत्र में एक अधेड़ का शव पेड़ से लटका मिला। यह घटना गुरुवार को परासी गनवारिया बाग में हुई। जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक की पहचान परासी गनवारिया निवासी मुनिराम लोधी पुत्र मंगल के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि मुनिराम सुबह मजदूरी के लिए घर से निकले थे। कुछ घंटों बाद गांव के पास बाग में उनका शव पेड़ से लटका हुआ मिला। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्राधिकारी सर्वदमन सिंह और थाना प्रभारी अनिल कुमार मौके पर पहुंचे। पुलिस ने पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा। थाना प्रभारी अनिल कुमार ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि मौत के कारणों का स्पष्ट पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा। पुलिस फिलहाल सभी पहलुओं पर गहनता से जांच कर रही है। मृतक के एक बेटा है, जबकि उनकी पत्नी का पहले ही निधन हो चुका है। ग्रामीणों के अनुसार, मुनिराम मजदूरी कर अपना जीवन यापन करते थे, लेकिन वे शराब के आदी थे।

प्राथमिक विद्यालय मरहा में सजे आधुनिक खेल उपकरण, बाल वाटिका बना आकर्षण का केन्द्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विकासखंड बस्ती सदर के ग्राम पंचायत मरहा स्थित प्राथमिक विद्यालय मरहा में प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ECCE) कार्यक्रम के अंतर्गत आधुनिक आउटडोर खेल उपकरणों की स्थापना से विद्यालय में नया उत्साह और सकारात्मक माहौल देखने को मिल रहा है। इस पहल ने न केवल बच्चों के लिए आनंदमय वातावरण तैयार किया है, बल्कि सीखने की प्रक्रिया को भी अधिक रोचक, जीवंत और प्रभावी बना दिया है।

गौरतलब है कि नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत 3 से 8 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए फाउंडेशनल स्टेज को मजबूत करने के उद्देश्य से ECCE कार्यक्रम लागू किया गया है। इसी क्रम में विद्यालय की बाल वाटिका को और सुदृढ़ करते हुए लहरदार फिसलपट्टी (वेव स्लाइड), मेहराब झूला (आर्च स्विंग), सी–सॉ (डोलक झूला), रॉकेट बोट झूला तथा मेरी–गो–राउंड जैसे आकर्षक खेल उपकरण लगाए गए हैं। ये उपकरण बच्चों के शारीरिक विकास, संतुलन, सामाजिक सहभागिता, आत्मविश्वास और रचनात्मक क्षमता को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएंगे। उल्लेखनीय है कि ग्राम पंचायत स्तर पर पहले भी सीमित संसाधनों से बाल वाटिका की शुरुआत की गई थी, जिसे अब शिक्षा विभाग के सहयोग और मार्गदर्शन से और अधिक विकसित व समृद्ध बनाया गया है। विद्यालय में रंगीन कक्षाएं, गतिविधि–आधारित शिक्षण सामग्री, लर्निंग कॉर्नर, स्वच्छता एवं पोषण पर विशेष ध्यान और सुरक्षित खेल वातावरण तैयार किया गया है। विद्यालय परिवार ने इस महत्वपूर्ण कार्य के सफल क्रियान्वयन हेतु जिलाधिकारी, बस्ती, मुख्य विकास अधिकारी, बस्ती, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, बस्ती तथा खंड शिक्षा अधिकारी, बस्ती सदर सहित समस्त शिक्षा विभागीय अधिकारियों के प्रति हार्दिक आभार एवं कृतज्ञता व्यक्त की। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पहल नन्हे बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की सुदृढ़ नींव साबित होगी तथा क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को नई दिशा प्रदान करेगी।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत मरहा के ग्राम प्रधान लालता प्रसाद यादव, प्रधान प्रतिनिधि अखिल कुमार यादव, प्रधानाध्यापक सत्येंद्र कुमार सहाय, शिक्षिका संगीता यादव व सुषमा सिंह तथा राम सुंदर सिंह, संगीता देवी सहित अन्य गणमान्य लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इस पहल का स्वागत किया।

युवक ने दुकान पर पेट्रोल डालकर लगाया आग

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिले के जोगिया उदयपुर थाना क्षेत्र के कडजहवा गांव में एक दुकान पर पेट्रोल डालकर आग लगाने की घटना सामने आई है। यह वारदात 18 और 19 फरवरी की दरम्यानी रात करीब 3रू34 बजे हुई, जिसका पूरा घटनाक्रम पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा नुकसान टल गया। गांव निवासी पवन की मकान से सटी दो दुकानें हैं। सीसीटीवी फुटेज में एक नकाबपोश युवक दुकान के पास आता दिखाई दे रहा है। वह दुकान के शटर के बाहर रखे नमक, गेहूं, चावल और अन्य सामानों पर पेट्रोल छिड़कता है। इसके बाद युवक आग लगाकर मौके से फरार हो जाता है। आग लगते ही दुकान के बाहर रखा सामान जलने लगा और लपटें उठने लगीं। हालांकि, दुकान का शटर लोहे का होने के कारण आग दुकान के भीतर नहीं फैल सकी। बाहर रखा अनाज और अन्य सामान जलकर खाक हो गया, लेकिन आग सीमित दायरे में ही रही। घटना की जानकारी मिलते ही पीड़ित पवन ने तत्काल डायल 112 पर सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की और सीसीटीवी फुटेज को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष जोगिया उदयपुर अभय सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

आत्महत्या के लिए उकसाने वाले को 8 वर्ष का कारावास

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। आत्महत्या के लिए उकसाने के एक मामले में बुधवार को न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए आठ वर्ष के कठोर कारावास और 30 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। यह फैसला जिला एवं सत्र न्यायालय सिद्धार्थनगर के न्यायाधीश अजय कुमार श्रीवास्तव तृतीय ने सुनाया।

यह मामला थाना ढेबरुआ क्षेत्र के केवटलिया गांव से संबंधित है। वर्ष 2020 में आरोपी धर्मराज उर्फ पुजारी पुत्र जगदेव के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के बाद पुलिस ने जांच शुरू की और साक्ष्य एकत्र कर आरोपी के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया।

सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने साक्ष्य और गवाहों के बयान न्यायालय में प्रस्तुत किए। सभी तथ्यों और साक्ष्यों का अवलोकन करने के बाद न्यायालय ने आरोपी को दोषी पाया। न्यायाधीश ने धर्मराज उर्फ पुजारी को भारतीय दंड संहिता की धारा 306 के तहत दोषी करार देते हुए आठ वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। साथ ही, उस पर 30 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। अर्थदंड अदा न करने की स्थिति में आरोपी को अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

मंडलायुक्त ने किया तहसील व ब्लॉक का निरीक्षण

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। मंडलायुक्त अयोध्या राजेश कुमार ने बृहस्पतिवार को अकबरपुर तहसील व ब्लॉक का निरीक्षण किया। तहसील पहुंचने पर सबसे पहले उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद उन्होंने एक–एक कर सभी पटलों का जायजा लिया। उन्होंने लंबित वादों के बारे में जानकारी ली। एसडीएम को निर्देश दिए कि लंबित प्रकरणों के निस्तारण में तेजी लाई जाए। दस्तावेजों का रखरखाव बेहतर किया जाए। ब्लॉक में निरीक्षण कर लेखा, मनरेगा, आवास, आईजीआरएस व स्थापना पटलों का जायजा लिया। एनआरएलएम में महिलाओं को रोजगार मुहैया कराने की प्रगति जानी। आयुक्त ने फाइलों को क्रम से लगाने के निर्देश दिए। आईजीआरएस पर लंबित शिकायतों को गुणवत्तापरक ढंग से निस्तारित करने और मनरेगा में रोजगार सृजन बढ़ाने के लिए संबंधित पटल प्रभारियों को निर्देशित किया। इस दौरान डीएम अनुपम शुक्ला, सीडीओ आनंद कुमार शुक्ला, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट प्रतीक्षा सिंह, पीडी डीआरडीए अनिल कुमार सिंह, बीडीओ अकबरपुर राजेंद्र कुमार तिवारी समेत अन्य अफसर मौजूद रहे।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान ग्राम न्यायालय रूधौली बस्ती जिला बस्ती
वाद सं0– 224/2015
रफीकुल्लाह
बनाम
रहीसुल्लाह आदि

1. रहीसुल्लाह उम्र करीब 65 वर्ष पुत्र ऐनुल्लाह 2. मतीबुल्लाह उम्र करीब 40 वर्ष पुत्र रहीसुल्लाह निवासी ग्राम भितेहरा तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला बस्ती

तारीख पेशी 03–03–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 03 माह 03 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला बस्ती
वाद सं0– 295/2024
विपिन उपाध्याय
बनाम
राकेश उपाध्याय आदि

1. राकेश उपाध्याय 2. राजेश उपाध्याय पुत्रगण रामनौकर निवासी ग्राम गौसपुर तप्पा कलवारी परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 18–03–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 18 माह 03 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) एफ0टी0सी0 बस्ती जिला बस्ती
वाद सं0– 120/2001
कमरूद्दीन
बनाम
मजहर हुसैन आदि

3/1 अब्दुल खालिद उम्र लगभग 50 साल 3/2 साजिद हुसैन उम्र लगभग 45 साल 3/3 राशिद हुसैन उम्र लगभग 43 साल पुत्रगण स्व0 अतहर हुसैन 3/4 बुशरा उम्र लगभग 40 साल पुत्री स्व0 अतहर हुसैन साकिनान मौजा करमांखान तप्पा उजियार परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

तारीख पेशी 24–03–2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 24 माह 03 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0–346/2024
मूलवाद सं0–157/2007
भदई
बनाम
रामफेर (मृतक) आदि

1. रामफेर (मृतक) 1/1–सरोज उम्र लगभग 50 वर्ष पत्नी स्व० रामफेर 1/2–सूरज उम्र लगभग 26 वर्ष 1/3–सुजीत उम्र लगभग 18 वर्ष पुत्रगण स्व० रामफेर 2 सन्तोष कुमार (मृतक) 3. श्रीमती रामा देवी उम्र लगभग 64 वर्ष पत्नी रामकुबेर निवासीगण ग्राम–भटपुरवा, तप्पा–ऊँजी, परगना–नगर पश्चिम, तहसील हर्रैया, पोस्ट–चांदपुर, जिला–बस्ती 4. रामसुमेर (मृतक) 4/1–शिव पूजन उम्र लगभग 35 वर्ष 4/2–राजू उम्र लगभग 26 वर्ष पुत्रगण स्व० रामसुमेर निवासीगण ग्राम चांदपुर, तप्पा–ऊँजी, परगना–नगर पश्चिम, तहसील– हरैया, पोस्ट–चांदपुर, जिला–बस्ती।

(विपक्षीगण प्रथम वर्ग)

5. मनीराम (मृतक) 5/1–महेन्द्र उम्र लगभग 45 वर्ष 5/2–धर्मेन्द्र उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्रगण स्व० मनीराम निवासीगण ग्राम–बड़ेवन डमरूआ, तप्पा–हवेली, परगना–वस्ती पूरब, तहसील व जिला–बस्ती। 6. रामलौट उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्र भीखा साकिन–निरंजनपुर, तप्पा–पिपरा गौतम परगना नगर पूरब, तहसील व जिला–बस्ती

(विपक्षीगण द्वितीय वर्ग)

तारीख पेशी 23–02–2026

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 23 माह 02 सन 2026 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

ग्राम पंचायत अजगैवा जंगल विकास खण्ड सल्टौआ गोपालपुर जनपद- बस्ती

सार्वजनिक सूचना

जन-जागरूकता अभियान

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

सभी ग्रामवासियों को सूचित किया जाता है कि अपने गाँव को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाने में सहयोग करें।

- सड़कों पर गंदगी न फैलाएं इसे साफ रखने में सहयोग करें
- नालियों में प्लास्टिक या अन्य कचरा न डालें।
- निर्धारित स्थान पर ही कूड़ा डालें।
- घर के कचरे को इधर-उधर न फैलाएं।
- स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

"स्वच्छ गाँव – स्वस्थ गाँव, यही हमारी पहचान"

ग्राम पंचायत की स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। नियमों का पालन करें और दूसरों को भी प्रेरित करें।

चन्द्रशेखर चौधरी
ग्राम प्रधान

अरूणेश पाल
सचिव

पत्रांक:– मेमो
दिनांक:–19.02.2026

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com